खण्ड-9, अंक-1, वर्ष-2021, मु0प्र0 79-80
D.O.I.: https://doi.org/10.22445/avsp.v9i1.15
SJIF (2021) : 7.247

शोध पत्र

इंजीनियरिंग डिप्लोमा की इंटरमीडिएट के सापेक्ष समकक्षता–एक प्रदेश स्तरीय अध्ययन

मनोज कुमार वार्ष्णेय
सिविल इंजीनियरिंग विभाग, डी0 एन0 पोलीटेक्नीक मेरठ–250 103, उ0प्र0, भारत

प्राप्ति तिथि–05.05.2021, स्वीकृति तिथि–05.10.2021

सार– इंजीनियरिंग डिप्लोमा को इंटरमीडिएट के समकक्ष रखा गया है। यद्यपि डिप्लोमाधारी, बी.टेक. करने के लिए प्रवेश परीक्षा के माध्यम से लेटरल प्रवेश द्वितीय वर्ष में लेते हैं एवं उनके लिए बी.टेक. की चार वर्षीय डिग्री तीन वर्ष में मिल जाती है। विज्ञान स्नातकों (बी0एस–सी0) के लिए भी बी.टेक. में प्रवेश हेतु डिप्लोमा होल्डर्स जैसी ही व्यवस्था है, एवं प्रवेश लेटरल के अन्तर्गत द्वितीय वर्ष में होते हुए तीन साल में डिग्री मिल जाती है। जबकि इंटरमीडिएट उत्तीर्णो के लिए बी.टेक. मैं प्रवेश प्रथम वर्ष में होता है एवं डिग्री चार वर्ष में मिल जाती है। अतः वर्तमान में समय की आवश्यकता के अनुरूप एवं पाठयक्रम की अवधि के दृष्टिगत इंजीनियरिंग डिप्लोमा को स्नातकों के समकक्ष रखना व्यवहारिक है न कि इंटरमीडिएट के समकक्ष रखना।

बीज शब्द– इंजीनियरिंग डिप्लोमा, इंटरमीडिएट, इंजीनियरिंग डिग्री

Diploma in engineering an equivalent to intermediate-a state level study

Manoj Kumar Varshaney
Civil Engineering Department, D.N. Polytechnic, Meerut-250 103, U.P., India
manojvarshaney17@rediffmail.com

Abstract- Diploma in engineering has been considered as equivalent to intermediate. Though diploma engineers after passing diploma may seek admission in B.Tech. through lateral entry in 2nd year of 4-year degree course and science graduates may also seek admission in engineering through lateral entry as similar to diploma holders.Intermediate pass outs enter in B.Tech. First year of 4 years duration course. Hence it is an urge before the readers that diploma be given the status as equivalent to graduation rather than analogous to intermediate, which is the need of hour.

Key words- Engineering diploma, intermediate, engineering degree

1. **परिचय–** इंजीनियरिंग में डिप्लोमा जो तीन वर्षीय पाठयक्रम है, बी.टेक. से थोड़ा निम्न स्तर का एवं द्विवर्षीय आई.टी.आई. से थोड़ा उच्च स्तर का पाठ्यक्रम है। तीन वर्षीय डिप्लोमा हेतु अर्हता हाईस्कूल रखी गई है एवं प्रवेश, संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद उत्तर प्रदेश, लखनऊ के माध्यम से राज्य स्तरीय परीक्षा आयोजित करते हुए काउंसिलिंग के माध्यम से होता है। इसके साथ ही तीन वर्षीय डिप्लोमा में लेटरल प्रवेश के आधार पर द्वितीय साल में प्रवेश K ग्रुप के अंतर्गत उपरोक्त प्रवेश प्रकिया के माध्यम से काउंसिलिंग द्वारा होता है। आई.टी.आई. जो दो साल का कोर्स है, की अर्हता हाईस्कूल है एवं प्रवेश सीधे मैरिट या प्रदेश स्तरीय परीक्षा आयोजित करते हुए होता है। बी.टेक. जो 4 वर्षीय डिग्री कोर्स है, में प्रवेश हेतु राज्य स्तरीय प्रवेश परीक्षा आयोजित कर काउंसिलिंग के माध्यम से इंटरमीडिएट अर्हता धारकों के लिए तथा डिप्लोमा होल्डर्स अथवा विज्ञान स्नातकों अर्थात् बी0एस–सी0 अर्हता धारकों के लिए लेटरल प्रवेश द्वितीय वर्ष में राज्य स्तरीय परीक्षा आयोजित कर काउंसिलिंग के माध्यम से होता है। तीन वर्षीय विज्ञान स्नातकों के लिए प्रवेश संबंधित क्षेत्रीय विश्वविद्यालय द्वारा गतवर्ष की उत्तीर्ण इंटरमीडिएट परीक्षा में प्राप्त अंकों की मेरिट के आधार पर काउंसिलिंग द्वारा होता है। पूर्व में यानि कि लगभग 1990 के आसपास पहले यह डिग्री (बी0एस–सी0, बी.कॉम., बी.ए.) दो साल की थी। वर्तमान में ये कोर्स तीन वर्षीय हैं।

3. **तुलनात्मक विवरण–**

1. हाईस्कूल =10
2. इंटरमीडिएट =10+2=12
3. आई.टी.आई.=10+2=12

4. डिप्लोमा तीन वर्षीय=10+3=13
5. डिप्लोमा तीन वर्षीय (लेटरल)=10+2+2=14
6. बी.एस–सी. वर्तमान में=10+2+3=15
7. बी.एस–सी. पूर्व में =10+2+2=14
8. बी.टेक.=10+2+4=16
9. बी.टेक. लेटरल=10+3+3=16
10. बी.टेक. लेटरल=(10+2)+2+3=17
11. बी.टेक. लेटरल =10+2+3+3=18
12. बी.टेक. लेटरल (पूर्व में बी0एस–सी0 के साथ)=10+2+2+3=17

4. **संतोषजनक तर्क–**

1. बी.टेक.=बी.टेक. लैटरल एंट्री=10̲24=16=10̲33=16=10̲223=17=10̲233=18 यानि 16=16=17=18
2. डिप्लोमा=डिप्लोमा लेटरल 10̲3=13=10̲22=14 यानि 13=14
3. इंटरमीडिएट=आई.टी.आई.10̲2=12=10̲2=12
4. स्नातक (विज्ञान वर्ग) 10+2+3=15
5. जब 16=17=18 एवं विज्ञान स्नातक अथवा अन्य स्नातक (कला एवं वाणिज्य वर्ग) = तकनीकी स्नातक = दूसरे अन्य स्नातक यानि 15=16=17=18 जब 13=14 एवं 15=16=17=18तब13=14=15 होना स्वाभाविक है।

अतः डिप्लोमा=विज्ञान स्नातक किया जाना अनुमन्य प्रतीत होता है।

हमेशा ऊपर उठते हुए ही रहना बेहतर होता है।

5. **व्यवस्था के अंतर्गत तर्क–**

इंटरमीडिएट=डिप्लोमा
102=12=10+3=13=10+2+2=14
अर्थात् 12=13=14

1. **पूर्व व्यवस्था के अन्तर्गत व्यवहारिक तर्क–**

स्नातक विज्ञान वर्ग =10+2+2=14
डिप्लोमा =10+3=13 या 10+2+2=14
यानि 14=13=14
यानि डिप्लोमा=डिप्लोमा लेटरल=पहले के विज्ञान स्नातक
इस प्रकार उक्त तर्कों के अध्ययन से स्पष्ट है कि डिप्लोमा को स्नातक के समतुल्य समझा जाना व्यवहारिक प्रतीत हो रहा है, न कि इंटरमीडिएट के समकक्ष।

6. **परिणाम/निष्कर्ष–** उपरोक्त तथ्यात्मक विवरणों से स्पष्ट प्रतीत हो रहा है कि कोर्स अवधि के दृष्टिगत आई.टी.आई. (10+2=12) को इंटरमीडिएट (10+2=12) के बराबर दर्जा दिया जाना अनुमन्य सा लगता है तथा डिप्लोमा यानि 10+3=13 या 10+2+2=14 को विज्ञान स्नातक अर्थात् 10+2+3=15 के समकक्ष किया जाना ही अनुकूल है। वर्तमान समय में यद्यपि सभी स्नातक सरकारी व्यवस्थानुरूप समान रखे गये हैं चाहे वो मानविकीवर्ग/वाणिज्य वर्ग/विज्ञान वर्ग/इंजीनियरिंग वर्ग/कानून वर्ग/मैडिकल वर्ग/पत्रकारिता वर्ग/कम्पयूटर वर्ग/प्रबंधन वर्ग/फाइन आर्ट वर्ग अथवा फैशन वर्ग से हों। ऐसे में तीन वर्षीय इंजीनियरिंग डिप्लोमा को उपरोक्त तथ्यों के आधार पर स्नातक के समकक्ष रखा जाना सटीक है जो आज के समय के लिए आवश्यक है।